Dainik Bhaskar (Indore), 21st August 2016, City Bhaskar, Page No. 01

शनिवार से शुरू हुई आई फाइव समिट, इन्फोसिस चेयरमैन मोहनदास पई बोले

तकनीक ने सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर दिए

MOTIVATIONAL TALK

सिटी रिपोर्टर • आईआईएम में आई फाइव समिट के शुरुआती दिन शनिवार को देश की कई हस्तियां शामिल हुईं। इन्फोसिस के चेयरमैन मोहनदास पई मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा, "द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद तकनीक इवॉल्व हुई। एक ऐसा रिवॉल्यूशन हुआ जिसने सोच और जीने का तरीका ही बदल दिया। इंसान का जीने का अंदाज बदल दिया तकनीक ने। डिसरप्टिंग बिज़नेस पर बात करते हुए उन्होंने कहा इंटरनेट

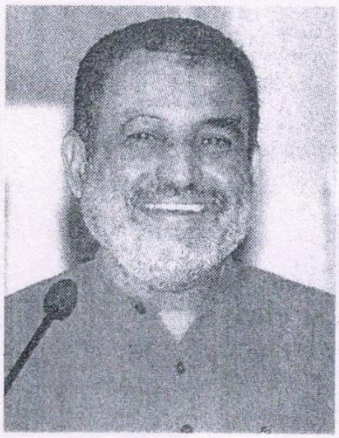

आज मेजर डिसरप्शन है। इसने हरेक शख्स को एक इंडिविजुअलिटी दी है। सबकह एक अलग ग्लोबल आईडेंटिटी है आज। इसने नॉलेज गेन करने का, सीखने का, समझने का एक कॉमन पाथ तैयार किया है। यह लो-कॉस्ट भी है और आसान भी। इस एडवांस मेंट के चलते आज हर सेक्टर इतनी तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। तकनीक की बदौलत आज हर किसी के पास शक्ति संचय करने का समान अवसर है। हर कोई टॉप तक जा सकता है। लेकिन ज़रूरत है तो स्किल और डायरेक्शन की। युवाओं को तय करना होगा कि उन्हें क्या करना है। उसी लक्ष्य को लेकर चलते रहना है। डटे रहना है। तकनीक दिशा नहीं दे सकती। दृढ़ता नहीं दे सकती। लेकिन अगर ये दोनों आपके पास हैं तो तकनीक आपको नई उड़ान भरने में मदद करेगी।

कम्पनी शुरू करने से पहले शतरंज के खिलाड़ी की तरह सोचें

समिट के सेकंड सेशन में कैपिटल सिंगापुर के सीईओ आनंद गोविंदअलूरी ने फ्यूचर मैनेजर्स को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा "स्टार्टअप या कंपनी शुरू करने से पहले आपको किसी चेस प्लेयर की तरह सोचना चाहिए। एक चाल चलने के लिए कई दिशाओं

में सोचते हुए आपको आगे बढ़ना होता है। और कामयाबी हासिल करने के टीम वर्क, अंडरस्टैंडिंग और डिसिप्लीन ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि कामयाबी के लिए सही विज़न और मिशन होना चाहिए। यानी विज़न से आपने जो देखा हसै, समझा है उसे क्रियान्वित कर सकें। कस्टमर्स एक्सेप्टेंस और कस्टमर्स की रिक्वायरमेंट्स को जानकर उसे पूरा करना। सिर्फ केबिन में बैठकर कामयाबी हासिल नहीं की जा सकती। आपको कस्टमर्स से मिलना होगा और उसकी रिक्वायरमेंट्स पूरी करना होगी। ट्रांसपरेंसी और ऑनेस्टी स्टार्टअप के लिए बड़े मूल्य हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा के चेयरमैन रवि वेंकटेसन ने कहा कि आने वाले समय में चाहे बैंकिंग सेक्टर हो या आईटी, जॉब्स कम होंगे। यंग ब्रिलिएंट माइंड्स को स्टार्टअप्स और बिज़नसे आइडियाज़ के बारे में सोचना चाहिए।

यंग इनोवेटर्स लाए सोशल वेंचर स्टार्टअप्स

आई फाइव समिट में सोशल वेंचर स्टार्टअप्स कॉम्पीटिशन हुई। दो स्टार्ट अप्स को विनर चुना गया। टाटा ट्रस्ट की ओर से इन्हें एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

गन्ना बोने के लिए बनाई मशीन

पीको लैब्स टीम के मेम्बर्स तेजेंदर सिंह, अक्ष भारद्वाज और विक्रम सिंह ने शुगर केन प्लांटर बनाया है। यह मशीन फॉर्मर को आधुनिक विधि बताती तरीके से गन्ना बोना सिखाती है। यह मशीन बीज बोने से पैदावार बढ़ाने में लाभदायक है। इसे ट्रैक्टर के साथ कनेक्ट करके गन्ना बो सकते हैं। इससे उर्वरक की खपत भी कम की जा सकती है।

प्लास्टिक बॉटल्स डिस्पोज़ करने वाली मशीन

सीफेम टीम के मेम्बर्स अनमोल गर्ग और वंश ओबेरॉय ने बताया कि उनकी बनाई मशीन एन्वायर्नमेंट फ्रेंडली है। यह मशीन प्लास्टिक की बॉटल्स को डिस्पोज़ ऑफ करने के लिए बनाई गई है। इस मशीन में कोई भी बॉटल्स को डिस्पोज़ करके अपने मोबाइल पर पॉइन्ट हासिल कर सकता है। हमारी वेबसाइट पर जाकर वह इन पॉइन्ट्स के बदले हमारे द्वारा दिए गए डिफरेंट डिस्काउंट्स को हासिल कर सकता है।